%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 636

NO. 329

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 725; A. R. No. 253-F of 1899 )

Ś. 1290

(१।) स्वस्ति श्री । लक्ष्मीवान वीरगंगक्षितिपतितिलक[ः] सर्व्वलोकाभिरा-

(२।) मः प्रख्यातोरुप्रतापस्सुरभिकुलपयोराशिराकासुधां-

(३।) शुः । आशाधीशकृपानां रुचिक्लितयशश्चंद्रिकस्सक्तलावान [।]

(४।) सङ्गीतज्ञो वदान्यस्समवतु धरणीं यावदाचंद्रतारं । [१]

(५।) शाकाव्दे व्योम रत्नारुण परिगणिते माघमासे सितायां पंचम्या-

(६।) ंभानुवारे हरिशिखरिपतेस्सन्निधौ पुण्यसिद्ध्यै [।] दीपंप्रादादखं-

(७।) ड[ं] वियदिषेगणिता नैचिकीतस्यसिद्ध्यै सोयं राजावतंस स्सक-

(८।) लगुणनिधिः पुत्रिकां कु[प्य]रूपां । श्रीश[क]वर्षवुलु १२९०

(९।) यगु ने टि माघ वह(हु)ल पंचमियु रविवार<2>मुनांडु गा-

(१०।) त्समद<3>गोत्रवुडैन सुरभिकुलजात लंतरुनांटि प्रतापवा

(११।) रगंगराजु त[न]कु नभीष्टात्थसिद्धिगानु श्री नरसिहनाथुनि सन्नि-

(१२।) धिनि नित्यमुन्नु ओक अखडदीपमु वेलु [गु]टकु वेट्टिन मो-

<1. On the third pillar in the maṇḍapa round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 31st December, 1368 A. D., Sunday. The tithi is Shashṭhi but not Pañchamī.>

<3. Read “गौतमस”>

%%p. 637

(१३।) दालु एंभै ५० ई दीपप्रतिम(मा) ओ १ । कैल्यंपू डिय दु जल-

(१४।) क्षेत्रमु अलंपकु पुट्टेंडु क्षेत(त्र)मु चन्द्रखिल्लारिकि पेट्टेनु

(१५।) इतंडु ई दीपान पखुलं गाषि मास पडि नेई तेच्चि श्रीभंड्डारमु-

(१६।) नकुं वेट्टि भोग्यमु नेयंगलांडु ई धर्म्ममु आचंद्रार्क्कस्था-

(१७।) इगां जेल्लंगलदु ।। शत्रुणापि कृतो धर्म्मः पालनीये मनीषि-

(१८।) भिः शत्रुरेव हि शत्रु[ः] स्या[त्] धर्म्मश्शत्रुर्न्न कस्यचित् ।। ई धर्म्मवु

(१९।) श्री वैष्णव रक्ष ।। श्री श्री श्री ।।